राजभाषा एकक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

विषय - राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तैरहवीं बैठक का कार्यवृत्त

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौदहवीं बैठक दिनांक 06 अक्तूबर 2016 को अपराह्न 16.30 बजे संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) के कक्ष, तोषाली भवन परिसर में संस्थान निदेशक प्रो. आर. वी राज कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे–

1. डॉ. आर.के.सिंह, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा एकक
2. डॉ. राजन झा, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस
3. डॉ. गौतम मंडल, सहायक प्राध्यापक, एसआईएफ
4. श्री देबराज रथ, कार्यवाहक कुलसचिव एवं उप कुलसचिव (वि. एवं.ले.)
5. डॉ. बिभूति भूषण साहू, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
6. श्री पी.के. साहू, सहायक कुलसचिव (भं. एवं. क्र.)
7. श्री नितिन जैन, कनि. हिंदी अनुवादक एवं सदस्य सचिव (राकास)

बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अध्यक्ष महोदय ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। सदस्य सचिव ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची की मदों पर बिंदुवार चर्चा प्रारम्भ की।

मद सं. 14.0 **गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि** – दिनांक 28.06.2016 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तेरहवीं बैठक के कार्यवृत्त की समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुष्टि प्रदान की।

मद सं. 14.1 **गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई**- अध्यक्ष महोदय एवं समिति के सदस्यों को गत बैठक के निर्णयों पर की गई कार्रवाई से संबंधित निम्न जानकारी प्रस्तुत की गई :-

i) **धारा 3(3) के अंतर्गत दस्तावेज़ों का द्विभाषी रूप में प्रकाशनः** उक्त दस्तावेज़ों को द्विभाषी रूप में जारी करने के लिए कुलसचिव एवं सभी सहायक कुलसचिव को अनुरोध किया गया और इसके अनुपालन पर विशेष बल देने को कहा गया है।

ii) **कर्मचारियों के लिए पुरस्कार योजना :** इस संबंध में कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी एक सूची तैयार की गई है। उसके बाद पुरस्कार योजना पर पुनः विचार किया जाएगा।

iii) **हिंदी पत्राचार की स्थिति:** समिति के सदस्यों को यह जानकारी दी गई कि आवरण पत्र सभी कर्मचारियों को मेल कर दिए गये थे और सभी से इसके अनुपालन हेतु अनुरोध किया गया है।

iv) **राजभाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु जाँच बिंदु :** संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए जाँच बिंदु बनाए गए और इन्हें एक आदेश के रूप में जारी कर सभी को अनुपालन करने हेतु निदेश दिए जाएंगे।

v) **हिंदी प्रशिक्षण की स्थिति:** अधिकारियों/ कर्मचारियों की प्रशिक्षण से संबंधित सूची तैयार की गई है और एक आदेश जारी कर सभी को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

vi) **नराकास भुवनेश्वर (के.) के अधीन प्रतियोगिता/कार्यशाला का आयोजन :** नराकास भुवनेश्वर के अधीन आयोजित की जाने वाली कार्यशाला के लिए एक योजना तैयार की गई है।

मद सं. 14.2 **धारा 3(3) के अंतर्गत सभी दत्सावेज़ों को द्विभाषी रूप में प्रकाशन :** सदस्य सचिव ने अध्यक्ष महोदय एवं समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि मंत्रालय द्वारा पिछली तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई थी जिसमें धारा 3(3) के अंतर्गत दस्तावेज़ों का शत प्रतिशत द्विभाषी रूप में प्रकाशित न करने पर आपत्ति जताई गई थी। इसके साथ ही यह जानकारी दी कि हमें इस ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सदस्य-

सचिव ने समिति के सदस्यों को विज्ञापनों के द्विभाषी प्रकाशन पर भी चर्चा की। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने हिंदी समाचार पत्रों में इसे प्रकाशित करने पर बल दिया।

कार्रवाई – कुलसचिव/ उप कुलसचिव (स्था.)/ सभी सहायक कुलसचिव/ राजभाषा एकक

मद सं. 14.3 **भर्ती संबंधी कार्यों में हिंदी का प्रयोग** : सदस्य-सचिव ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि हमारे संस्थान द्वारा अभी तक भर्ती संबंधी कार्य द्विभाषी रूप में नहीं किए जा रहे है, यदि इन कार्यों पर भी थोड़ा सा प्रयास किया जाए तो पत्राचार और धारा 3(3) के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कुलसचिव एवं सहायक कुलसचिव (स्था.) से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेश दिया। **कार्रवाई – कुलसचिव/ सहायक कुलसचिव (स्था.)/ राजभाषा एकक**

मद सं. 14.4 **हिंदी में पत्राचार की स्थिति** – : समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि संस्थान के हिंदी पत्राचार का प्रतिशत राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अभी भी बहुत कम है जिसके कारण मंत्रालय से निरंतर पत्र प्राप्त होते रहते हैं। सदस्य-सचिव ने आवरण पत्र के प्रयोग से संबंधी जानकारी सांझा की। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेश दिया।

कार्रवाई – कुलसचिव/ सभी संबंधित विद्यापीठ/अनुभाग/ राजभाषा एकक

मद सं. 14.5 **फाइलों पर टिप्पणी लिखने पर चर्चा** :- सदस्य सचिव ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि हम वार्षिक कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में निरंतर असफल हो रहे है। दैनिक प्रयोग की टिप्पणियों के लिए एक पुस्तिका तैयार की गई है साथ ही इसे संस्थान की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है। यदि कुछ अधिकारी गण हिंदी में लिखने में दिक्कत महसूस कर रहे है तो 'अनुमोदन' नामक एक रबड़ स्टैंप तैयार किया जा सकता है जिससे इसका प्रयोग बढ़ाया जा सके और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

कार्रवाई – कुलसचिव/ सभी संबंधित अधिकारीगण/ राजभाषा एकक

मद सं. 14.6 **हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों द्वारा हिंदी में कार्य करना** : समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान में एक प्रवीणता प्राप्त, 04 पारंगत एवं 11 प्राज्ञ उत्तीर्ण कर्मचारी है। संस्थान में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इनके नाम से हिंदी में कार्य करने हेतु एक आदेश जारी किए जा सकते है जिससे कि वे अपना सरकारी दैनिक काम-काज हिंदी में कर सकें। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय सभी प्रशिक्षित अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने में प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक

मद सं. 14.7 **हिंदी में कार्य करने के लिए विभागों को निर्दिष्ट करना** : सदस्य-सचिव ने समिति के सदस्यों को जानकारी दी कि संस्थान के स्थापना एवं शैक्षणिक अनुभाग में सबसे अधिक हिंदी प्रशिक्षित कर्मचारी है। प्रायोगिक तौर पर स्थापना अनुभाग को हिंदी में कार्य करने हेतु विनिर्दिष्ट किया जा सकता है जिससे लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। **कार्रवाई – कुलसचिव/ राजभाषा एकक**

मद सं. 14.8 **नराकास के अधीन प्रतियोगिता/कार्यशाला का आयोजन** :- समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि संस्थान निदेशक प्रो. आर.वी. राज कुमार, की अध्यक्षता में नराकास भुवनेश्वर ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नराकास भुवनेश्वर ने अगस्त माह में आयोजित 59वीं बैठक में 100 पृष्ठों की ई-पत्रिका "नागरिक" का विमोचन किया था। यह प्रयास बहुत ही सार्थक रहा और इस कार्य के लिए मंत्रालय स्तर तक काफी प्रशंसा प्राप्त हुई।

इसके साथ ही कहा गया कि भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर भी नराकास भुवनेश्वर के अधीन एक सदस्य कार्यालय है जिसके लिए हमें भी नराकास के तत्वावधान में एक प्रतियोगिता/कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने रेलवे, नाइज़र, एम्स आदि बड़े कार्यालयों से संपर्क कर कार्यक्रम को

आयोजित करने पर बल दिया। इसके साथ यह कहा कि यदि कोई कार्यालय अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजन नहीं कर पाता है तो इसे भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा।

कार्रवाई – राजभाषा एकक/ सदस्य-सचिव, नराकास भुवनेश्वर

मद सं. 14.9 **हिंदी पखवाड़ा समारोह के विजयी प्रतिभागियों** : संस्थान में 01 से 14 सितंबर 2016 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का समापन हिंदी दिवस के अनुपालन के साथ किया गया जिसमें संस्थान छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए थे। इस बैठक में संस्थान कर्मचारियों के लिए आयोजित तीन प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इस दौरान आयोजित दिनांक 01.09.2016 निबंध प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार श्री सत्यब्रत घोष, कनिष्ठ अधीक्षक, संकायाध्यक्ष (एफ एवं पी) का कार्यालय और द्वितीय पुरस्कार श्रीमती स्मृति स्मरणिका कुमार, कनिष्ठ सहायक, स्थापना अनुभाग को प्रदान किया गया। दिनांक 07.09.2016 को आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार श्री निहार रंजन पंडा, कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ, द्वितीय पुरस्कार श्री पी.के.साहू, सहायक कुलसचिव (भ.एवं.ले.) और तृतीय पुरस्कार श्री यमुना प्रसाद, कनिष्ठ अधीक्षक, स्थापना अनुभाग को प्राप्त हुआ। दिनाक 09.09.2016 को आयोजित हिंदी टंकण प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार श्री सत्यब्रत घोष, कनिष्ठ अधीक्षक, संकायाध्यक्ष (एफ एवं पी) का कार्यालय और द्वितीय पुरस्कार श्री पी. गिरिष कुमार को प्राप्त हुआ।

मद सं. 14.10 **अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कोई मद** :- इस मद के अधीन सदस्यों के कोई विचार प्राप्त नहीं हुए।

डॉ. राज कुमार सिहं, प्राध्यापक प्रभारी, राजभाषा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

गुणसेकरण

कुलसचिव